दिनांक : 25 फरवरी 2014

भाजपा और अल्पसंख्यक

– अरुण जेटली
राज्य सभा में विपक्ष के नेता

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा और राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा का आज नई दिल्ली में एक सम्मेलन हुआ। मैंने इसके उद्घाटन सत्र में भाग लिया। सम्मेलन का उद्घाटन पार्टी अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने किया। इस सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों की बहुत जबरदस्त प्रतिक्रिया रही।

भाजपा को लेकर अल्पसंख्यकों के बीच दहशत पैदा करने के लिए पिछले कई वर्षों से एक सुनियोजित अभियान चलाया जा रहा था। पार्टी के कार्यकर्ताओं को अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को यह समझाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा कि भाजपा के मन में इस समुदाय को लेकर कोई पूर्वाग्रह नहीं है। हाल ही में कुछ ऐसे उदाहरण देखने को मिले जहां पार्टी के दृष्टिकोण की अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों ने सराहना की। दिल्ली और देश के अन्य भागों में 1984 के सिख विरोधी दंगों के बाद भाजपा का सिख समुदाय के सदस्यों के साथ अच्छा संबंध स्थापित हुआ। पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड में सिख समुदाय के भाजपा सदस्य राज्य विधानसभा और यहां तक कि संसद के लिए भी चुने गए। देश भर में बड़ी संख्या में सिख समुदाय के राजनैतिक कार्यकर्ता भाजपा के लिए कार्य कर रहे हैं।

गोवा विधानसभा के लिए हुए पिछले चुनावों में पार्टी ने बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के सदस्यों को खड़ा किया। गोवा में अधिकतर अल्पसंख्यक मतदाताओं ने भाजपा के पक्ष में मतदान किया। ईसाई समुदाय और भाजपा के बीच गोवा में खड़ी की गई काल्पनिक दीवार ढह गई। उप मुख्यमंत्री सहित हमारे बहुत से मंत्री ईसाई समुदाय के सदस्य हैं। राजस्थान विधानसभा के लिए हाल में हुए चुनावों में अल्पसंख्यक समुदाय के चार सदस्य–दो सिख और दो मुस्लिम चुने गए। चारों भाजपा के सदस्य हैं। गुजरात और मध्य प्रदेश में बड़ी संख्या में स्थानीय निकायों के सदस्य चुने गए हैं। भाजपा में हमारे लिए यह बड़े सुकून की बात है कि हमने जहां कहीं भी विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों के अनेक उम्मीदवारों को खड़ा किया है और इन समुदायों के बीच से नेता तैयार करने का प्रयास किया है, हमें मतदाताओं की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

भाजपा और अन्य लोगों में फर्क इतना है कि हम अल्पसंख्यकों को राजनैतिक शक्ति के साधन के रुप में इस्तेमाल नहीं करते। हम उनके साथ बराबरी का व्यवहार करते हैं और उनकी परेशानियों को उसी तरह दूर करते हैं जैसे अन्य नागरिकों की दिक्कतों को दूर किया जाता है। आज के सम्मेलन में हमने घोषणा की कि हमारा उद्देश्य भारत को 'दंगा मुक्त देश' बनाना है जहां अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों सहित प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा मिले; जहां सभी के साथ बिना किसी भेदभाव के समान व्यवहार हो। हमारी प्रतिज्ञा है कि हम प्रत्येक भारतीय के आर्थिक विकास के लिए काम करेंगे जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य शामिल हैं ताकि उनका जीवन स्तर सुधारा जा सके।

आज हुए सम्मेलन में फैसला किया गया कि देश भर में हमारे समर्थक इस तरह के कम से कम हजारों सम्मेलन आयोजित करेंगे ताकि अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों को भाजपा का दृष्टिकोण बताया जा सके और उन गलत धारणाओं को दूर करेंगे जो हमारे विरोधियों ने उनके दिमाग में पैदा की हैं।

*****